25	द्वायायः सर्वाः शशिप्रयाः ॥ ११भा ॥ इ	6
26	राशीनामुद्यो लग्नं मेषप्रभृतयस्तु ते ता ।	01
27	म्राशि वक्री ले। क्लिक्ताङ्गा मङ्गले। एङ्गर्कः कुतः ॥ ११६ ॥	11
28	म्राषाहाभूर्नवार्चिश्च -गगर	12
29	बुधः साम्यः प्रकृष्तः। हि ।।।।।	13
30	ज्ञः पञ्चार्चिः श्रविष्ठामूः श्यामाङ्गा रोव्हिणीसुतः ॥ ११७॥	41
31	बृह्स्पतिः सुराचार्या जीवश्चित्रशिखाएउतः।	ē1
32	वाचस्पतिर्द्वाद्शार्चिधिषणः फालगुनीभवः ॥ ११८ गिगलागोनु	91
33	गीर्बृक्त्याः पतिरुतथ्यानुजाङ्गिर्सा गुरुः । ।।।।	17
34	प्रक्रो मघाभवः काव्य उशमा भार्गवः कविः ॥ ११६ ॥	81
35	षाउशार्चि हैत्यगुरुषि ध्वः	19
36	ाशनिश्चरः शिनः॥ ह । उनिर	20
37	क्रायासुता असतः साहिः सप्ताची रेवतीभवः॥। १२०७। गणनाः	21
38	मन्दः क्रोडो मोलवासाः जिल्हानाः	20
39		23
	तमा राङः सैंक्किया भरणीभू-	
41 (Kitrà, die 1888 M. Aspris _ 10. Sväti, die 15te M. (2 W	.0
42 01	12. Viçakha, die 16te M. (3 W.). — 135 कितिकारी है।	.11
43 91	W.).—14. Gjeshthi: Rishberk 1888 V.—15. Mila, die 19 W.).—16. Pürväshädhä, die 20te M. (2 W.).—17. Utt	(\$)
	5. Der gemeinschaftliche Name für alle 27 (2 W.). — 26. 1	
Aufg	ang der Zeichen des Thierkreises heisst lagna; diese aber sind	der
	der u. s. w. — 27. 28. Mars (8 W.). — 29. 30. Merkur (8 W.). 33. Jupiter (13 W.). — 34. 35. Venus (9 W.). — 36—38.	
	(10 W.) 1 39. 40. Râhu (6 W.) 41. 42. Ketu, der r	
derst	eigende Knoten (4 W.) 43. Polarstern (2 W.). ib	He